



ईमानदारी का परिचय (एकांकी)



अध्ययन से पूर्व

क्या तुम बता सकती हो, ईमानदारी क्या है?

नहीं, चलो दादा जी से पूछते हैं। ईमानदारी क्या है और ईमानदार किसे कहते हैं?



ईमानदारी व्यक्तित्व का सर्वश्रेष्ठ गुण है और जो व्यक्ति इस गुण को अपनाता है उसे ईमानदार कहते हैं।



एकांकी का मूल तत्व

बच्चों को ईमानदारी का महत्व समझाते हुए उन्हें इस गुण को आत्मसात् करने के लिए प्रेरित करना।



पात्र : सोनू (एक बालक 9-10 वर्ष का), रामेश्वर (व्यक्ति), सोहन (व्यक्ति), मोनू (सोनू का भाई), डॉ. शर्मा।

(पहला दृश्य)

(सोनू बाज़ार में ठेले पर सब्जियाँ रख उन्हें बेचने का प्रयत्न कर रहा है।)

सोनू : सब्जी ले लो, हरी-ताज़ी सब्जी ले लो।

(इतने में सोनू को रामेश्वर दिखाई देते हैं।)

सोनू : ले लो साहब, सब्जी ले लो, हरी-ताज़ी सब्जी ले लो।

रामेश्वर : नहीं भाई, कुछ नहीं चाहिए।

सोनू : (रुआँसा-सा होकर) साहब, सुबह से अब तक कुछ नहीं बिका। कुछ तो ले लीजिए।

रामेश्वर : (जेब से पैसे निकालकर) तुम तो..... अच्छा चलो, ये पैसे लो और जाओ।

सोनू : (एकदम से) नहीं साहब, नहीं ! मैं पैसे नहीं लूँगा। यह तो भीख है और मैं भीख नहीं लेता। आप पहले सब्जी खरीदें फिर पैसे दें।

रामेश्वर : भाई, मुझे सब्जी की फिलहाल तो ज़रूरत नहीं है और मेरे पास खुले पैसे भी नहीं हैं, जो सब्जी खरीद लूँ।

सोनू : खुले पैसे की चिंता आप मत कीजिए। आप बस सब्जी खरीदें, बाकी काम मेरा है!
(सोनू खुले पैसों के लिए जाता है। कुछ समय बीतने पर रामेश्वर उत्सुक होकर बाज़ार की ओर देखते हैं तभी उनका एक परिचित सोहन उन्हें देखकर ठहर जाता है।)

सोहन : अरे! भाई रामेश्वर तुम तो ईद का चाँद ही हो गए। यहाँ क्या लेने चले आए?

रामेश्वर : भाई, एक लड़का सुबह से सब्जी का ठेला लिए खड़ा है मगर कुछ बिका नहीं, तो वह मुझसे बोला सब्जी खरीद लो। मैंने तो उसे समझाया कि मेरे पास खुले पैसे नहीं हैं पर वो माना ही नहीं और पैसे खुले करवाने गया है। मुझे यहाँ खड़ा रहने को बोल कर गया है। दस मिनट हो गए पता नहीं कहाँ चला गया, अब तक नहीं आया।



सोहन : लो कर लो बात, हो गया वो नौ-दो ग्यारह। कौन जाने ये ठेला उसका है भी या नहीं। किसी के ठेले को अपना बता कर तुम्हें यहाँ खड़ा कर गया और तुमसे पैसे भी ले गया।

रामेश्वर : पर भाई ! वह लड़का ठग तो नहीं लग रहा था। चलो कोई बात नहीं। समझेंगे आज एक नया पाठ पढ़ा।

(दोनों वहाँ से जाते हैं।)

(दूसरा दृश्य)

(सोनू लौटकर आता है परंतु वहाँ रामेश्वर को न पाकर परेशान हो रहा है।)

मोनू : (सोनू से) क्यों भाई ! किसे ढूँढ़ रहे हो?

सोनू : जो यहाँ ठेले के पास व्यक्ति खड़े थे, उन्हें ही ढूँढ़ रहा हूँ।

मोनू : वे तो अपने दोस्त के साथ सामने वाले टी-स्टॉल के अंदर गए हैं।

(सोनू टी-स्टॉल के अंदर जाता है।)

रामेश्वर : अरे! कहाँ गायब हो गए थे? मैंने तो सोचा मेरे पैसे डूब गए।

सोनू : साहब! मैं गरीब ज़रूर हूँ मगर बेईमान नहीं।

रामेश्वर : तुम्हारे घर में कौन-कौन हैं?

सोनू : कोई नहीं। मैं और मेरा भाई, वही मेरा एकमात्र सहारा है। दंगों के दिनों में हमारे माँ-बाप को किसी ने मार डाला।

(रो पड़ता है।)

रामेश्वर : रो मत बेटा! मैं अभी तुम्हारे साथ चलता हूँ। (अंदर की ओर पुकारकर) अमर सिंह! मैं टिहरी बस्ती जा रहा हूँ। वापस लौटकर तुम्हारा हिसाब करता हूँ। अभी सोनू और उसके भाई से घर जाकर कुछ बात करना चाहता हूँ।

(सोनू को साथ लेकर जाता है।)

(तीसरा दृश्य)

(स्थान— सोनू का घर। जहाँ सोनू का भाई बीमार पड़ा है।)

सोनू : बुखार कैसा है? दवा नहीं तो क्या आराम मिलेगा?

मोनू : भाई! तुम मेरे लिए कितना कष्ट उठाते हो!

रामेश्वर : तुम चिंता मत करो बेटा! अभी डॉक्टर को बुलाया है वो आते ही होंगे।



(सोनू के घर डॉक्टर का प्रवेश)

रामेश्वर : आइए डॉक्टर साहब, ये रहा मोनू।

मोनू : भाई! ये तो बहुत फीस लेंगे। हमारे पास इतने पैसे कहाँ हैं?

रामेश्वर : उस बात की चिंता न करो, बेटा! तुम ठीक हो जाओगे।

डॉक्टर : रामेश्वर जी! आप यहाँ कैसे चले आए?

रामेश्वर : साहब! इस लड़के की ईमानदारी मुझे यहाँ खींच लाई।

डॉक्टर : वो कैसे?

रामेश्वर : वो एक लंबा किस्सा है लौटते समय सुनाऊँगा। फिलहाल तुम हमारे मोनू को जल्द ठीक कर दो।

सोनू : साहब! बहुत शुक्रिया। आप न होते तो न आज कुछ बिक्री होती और न मेरे भाई की दवाई। आप सच में एक नेक इन्सान हैं।



शब्दार्थ

प्रयत्न	= कोशिश
रूआँसा	= रोने का भाव
कष्ट	= तकलीफ

परिचित	= जान-पहचान वाले
उत्सुक	= जिज्ञासु
किस्सा	= कहानी



उच्चारण करें

गिड़गिड़ाकर टी-स्टॉल अलविदा ईमानदारी बेईमान शुक्रिया



शिक्षण संकेत-

शिक्षक/शिक्षिका पूरे हाव-भाव के साथ एकांकी बच्चों को सुनाएँ एवं ईमानदारी के अलावा पाठ में आने वाले अन्य व्यावहारिक गुण जैसे- विश्वास, सहायता करना आदि पर भी चर्चा करें।



अभ्यास कार्य



ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

- (क) सोनू क्या बेच रहा था?
- (ख) रामेश्वर ने सोनू को क्या देना चाहा?
- (ग) सोनू के भाई का क्या नाम था?
- (घ) रामेश्वर सोनू के साथ कहाँ गया?



ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

- (क) सोनू की स्थिति कैसी थी?
.....
- (ख) सोनू के भीतर किस प्रकार का गुण था?
.....
- (ग) रामेश्वर ने सोनू की मदद किस प्रकार की?
.....
- (घ) रामेश्वर को सोनू की ईमानदारी का पता कैसे चला?
.....

3. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

कष्ट बेईमान ठग भीख पैसे

- (क) यह तो है और मैं नहीं लेता।
- (ख) खुले की चिंता आप मत कीजिए।
- (ग) वह लड़का तो नहीं लग रहा था।
- (घ) मैं गरीब जरूर हूँ मगर नहीं।
- (ङ) तुम मेरे लिए कितना उठाते हो।





छरा सोचिए

Critical Thinking

4. 'ईमानदारी' की तरह अन्य और कौन-से गुण हैं जो हमारे व्यक्तित्व की आधारशिला का निर्माण करते हैं? कक्षा में चर्चा कीजिए और उन गुणों के नाम लिखिए।



छरा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

5. दिए गए मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्य बनाइए।

- (क) अंधे की लाठी -
- (ख) ईद का चाँद होना -
- (ग) नौ-दो ग्यारह होना -



छरा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

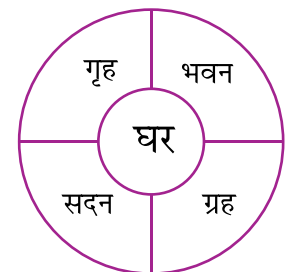
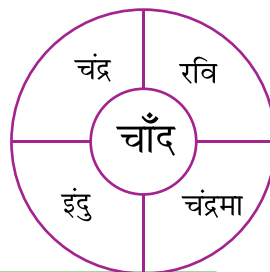
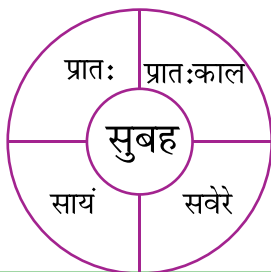
6. "सच्चाई के रास्ते पर चलने वाले लोगों की कभी हार नहीं होती।" इस कथन से आप कितना सहमत हैं? कक्षा में विचार-विमर्श कर लिखिए।



छरा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

7. पहिए में कुछ शब्द लिखे गए हैं, जो बीच में लिखे शब्द के अर्थ प्रकट करते हैं। प्रत्येक पहिए में एक गलत शब्द है। उसे पहचानिए और चिह्नित कीजिए।



जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

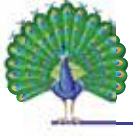
Life Skills & Value Based Question

8. ईमानदारी अच्छे चरित्र का निर्माण करती है। इस गुण के अलावा और किन-किन गुणों को अपनाकर स्वयं को बेहतर भविष्य हेतु तैयार किया जा सकता है?





भारत में हॉकी (निबंध)



अध्ययन से पूर्व



धनराज पिल्लै



संदीप सिंह



दीपक ठाकुर



रानी रामपाल



वंदना कटारिया



गुरजीत कौर

❖ उपरोक्त खिलाड़ियों को ध्यानपूर्वक देखिए। उनके नाम व चित्र की सहायता से उनके संबंध में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ एकत्रित कीजिए।



निबंध का मूल तत्व

प्रस्तुत पाठ में खेल के महत्व को दर्शाया गया है और यह बताने का प्रयास किया गया है कि मानव जीवन का एक अभिन्न अंग खेल है। साथ ही हॉकी खेल से जुड़ी समस्त जानकारियों को भी पाठ में उपलब्ध कराया गया है।



खेल मनुष्य के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भी सच है कि मनुष्य अपने प्राकृतिक स्वभाव से ही खिलाड़ी होता है। खेल से शारीरिक विकार का निवारण होता है और शरीर स्फूर्तिमान बनता है। खिलाड़ी स्वयं में एक रणनीतिकार होता है और वह अपनी कुशल रणनीतियों के द्वारा अपनी पराजय को विजय में बदल सकता है। परंतु खेल-जगत में हुई पराजय भी मधुर होती है। खेलों से मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास होता है। अतः मानव स्वास्थ्य के लिए खेल-कूद को अति आवश्यक माना गया है

हॉकी, भारत का एक अति प्राचीन खेल है। एक समय तो ऐसा था जब हॉकी में भारतवर्ष का स्थान विश्व में सबसे ऊपर था। हॉकी के इतिहास में आज भी भारत के महानतम खिलाड़ी ध्यानचंद को याद किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि भारत ने हॉकी के खेल को इंग्लैंड से अपनाया था, और देखते-ही-देखते यह हमारा राष्ट्रीय खेल बन गया। विश्व में भारत को अनेक क्षेत्रों में प्रसिद्धि मिली है जिसमें से हॉकी भी एक है।

भारत में सन् 1925 में “भारतीय हॉकी संघ” की स्थापना की गई थी।



यूनान (ग्रीस) देश के ओलंपस पर्वत के नाम पर संसार में ‘ओलंपिक’ खेल प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक चौथे वर्ष किया जाता है। इस प्रतियोगिता में भारत की हॉकी टीम ने सन् 1928 से सन् 1956 तक छह बार विश्वविजेता होने का गौरव प्राप्त किया है। सन् 1960 में पाकिस्तान ने भारत पर विजय प्राप्त की, परंतु सन् 1964 में होने वाली प्रतियोगिता में भारत ने पुनः अपना खोया हुआ गौरव प्राप्त कर लिया।

ओलंपिक प्रतियोगिता में पहली बार सन् 1928 में भारत हॉकी के मैदान में उतरा था। प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद ने संसार के बहुत-से देशों के हॉकी दलों को पराजित करके भारत की विजय-पताका फहरायी थी, तभी से ध्यानचंद “हॉकी का जादूगर” नाम से प्रसिद्ध हुए। मेजर ध्यानचंद की खेल-प्रतिभा ने जर्मन तानाशाह हिटलर का दिल भी जीत लिया था। हिटलर ने उनके खेल से प्रभावित होकर उनके विषय में कहा था- “यदि ध्यानचंद जर्मनी आ जाएँ, तो मैं उन्हें मेजर से मार्शल बना दूँगा।” भारत के बलबीर सिंह सन् 1952 में हेलसिंकी में आयोजित ओलंपिक प्रतियोगिता में विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित हुए थे। रूपसिंह, किशनलाल, बाबू दिग्विजय सिंह



आदि खिलाड़ियों को पूरा विश्व आज भी याद करता है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय हॉकी के विकास की गति में तेज़ी आई है। इससे भारत में इस खेल के भविष्य पर छाए काले बादल छूट गए हैं।

भारत देश में आज भी धनराज पिल्लै जैसे अनुभवी व दक्ष खिलाड़ी हैं। वे देश के नवयुवकों को हॉकी का प्रशिक्षण देकर एक सशक्त और मजबूत दल तैयार कर सकते हैं।



संसार में अपने हॉकी के कीर्तिमान को बनाए रखने के लिए भारतीय विद्यालयों में हॉकी का खेल अनिवार्य कर देना चाहिए। इससे देश में हॉकी खेल के विकास के साथ-साथ बालकों का शरीर भी हृष्ट-पुष्ट बनेगा।

शब्दार्थ

स्वभाव	= हावभाव
पराजय	= हार
निवारण	= दूर करना, रोकना
आयोजन	= प्रबंध, बंदोबस्त

प्रतिभा	= विलक्षण बुद्धि
प्रसिद्ध	= मशहूर
बौद्धिक	= बुद्धि/विचार के स्तर पर
दक्ष	= निपुण, कुशल



उच्चारण करें

सर्वश्रेष्ठ

प्रतियोगिता

कीर्तिमान

हृष्ट-पुष्ट

पिल्लै



शिक्षण संकेत-

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों के साथ भारत के राष्ट्रीय खेल 'हॉकी' पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें तथा उन्हें खेलों के प्रति प्रोत्साहित करें।



अभ्यास कार्य

Speaking Skills



जरा बोलिए

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

- (क) भारत का राष्ट्रीय खेल क्या है?
- (ख) 'हॉकी का जादूगर' किसे कहा जाता है?
- (ग) 'भारतीय हॉकी संघ' की स्थापना कब हुई थी?
- (घ) ओलंपिक खेलों का आयोजन कितने वर्षों के उपरांत किया जाता है?



जरा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

- (क) खेल मानव जीवन हेतु क्यों महत्वपूर्ण हैं?
.....
- (ख) मेजर ध्यानचंद के खेल से प्रभावित होकर हिटलर ने क्या कहा था?
.....
- (ग) कुछ प्रमुख हॉकी खिलाड़ियों के नाम लिखिए।
.....
- (घ) हॉकी स्पर्धा में भारत के ओलंपिक सफ़र को अपने शब्दों में लिखिए।
.....

3. दिए गए सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए।

- (क) हॉकी, भारत का एक नवीनतम खेल है। ☐
- (ख) ओलंपस पर्वत इटली में स्थित है। ☐
- (ग) ओलंपिक में भारत ने हॉकी स्पर्धा में 1928 से 1956 ई. तक छह बार विश्वविजेता बनने के सपने को पूरा किया। ☐
- (घ) बलबीर सिंह भारत के प्रसिद्ध भाला फेंक प्रतियोगिता के खिलाड़ी हैं। ☐





ज़रा सोचिए

Critical Thinking

4. हॉकी खेल की कुल समयावधि कितनी होती है? हॉकी के अलावा ऐसे कौन-कौन से खेल हैं जो हॉकी से कम समयावधि में समाप्त होते हैं? सोचकर बताइए और एक सूची तैयार कीजिए।



ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

5. दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

- (क) महानतम -
 (ख) मानसिक -
 (ग) बौद्धिक -
 (घ) पराजय -

6. दिए गए प्रत्यय शब्दों से सार्थक शब्दों का निर्माण कीजिए।

- (क) ता - (ख) इक -
 (ग) आई - (घ) पट -
 (ङ) हट - (च) पन -

7. दिए गए मुहावरों का अर्थ लिखिए।

- (क) दाँत खट्टे करना -
 (ख) ईद का चाँद होना -
 (ग) कानाफूसी करना -
 (घ) कान भरना -

8. दिए गए दो पदों के बीच से कारक चिह्नों का लोप कर समास का उदाहरण दीजिए।

- (क) राजा का पुत्र -
 (ख) जन को प्रिय -
 (ग) स्व द्वारा रचित -
 (घ) विश्राम के लिए गृह -
 (ङ) राजा की नीति -





जरा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

9. 'हमारा राष्ट्रीय खेल' विषय पर एक संक्षिप्त निबंध तैयार कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....



जरा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

10. दिए गए दृश्यों को देखकर उन पर सही क्रम लिखिए।









मैनचेस्टर यूनाइटेड

3

लिवरपूल

2



जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न

Life Skills & Value Based Question

11. खेल-कूद के महत्व को बताते हुए मानव जीवन पर पड़ने वाले उसके प्रभावों की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए।

